संस्कृत

एम0 ए0 पूर्वार्द्ध

एम0 ए0 (पूर्वार्द्ध) में निम्नलिखित चार प्रश्न पत्र के होगें–

प्रथम प्रश्न– पत्र :वैदिक भाषा तथा साहित्य

Paper Code- MASK-101

प्रथम खण्ड़– ऋग्वेद सूक्त

अश्विनी सूक्त (1.116), इन्द्र सुक्त (11.12) विश्वामित्र– नदी– संवाद (III 33) उषस् (V 80) पूषन् (VI.53), वरूण (VII.88)

द्वितीय खण्ड़– अथर्ववेद सूक्त

मेघाजनन् (1.1) शत्रुनाशनम् (11.12) सत्यानृत समीक्षा' (वरूण) IV.17, सर्पविषनाशनम् (V. 13.), राष्ट्रसभा (VII. 12)

तृतीय खण्ड– तैत्तिरीयोपनिषद् 3.1–10 भार्गवी वारूणी विद्या 20

चतुर्थ खण्ड– निरूक्त (प्रथम, द्वितीय एवं सप्तम अध्याय) 10

पंचम खण्ड– पाणिनीय शिक्षा

द्वितीय प्रश्न पत्र : व्याकरण एवं भाषा विज्ञान पूर्णांक : 100

Paper Code - MASK-102

प्रथम खण्ड– संज्ञा एवं परिभाषा– सिद्धान्त कौमुदी संज्ञा एवं परिभाषा प्रकरण) 20

द्वितीय खण्ड– कारक एवं विभक्त्यर्थ (सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण) 20

तृतीय खण्ड– पालि प्राकृत 20

चतुर्थ खण्ड– अर्थ विज्ञान सिद्धान्त 20

तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय दर्शन **पूर्णांक : 100**

Paper Code- MASK-103

प्रथम खण्ड– सांख्यकारिका 20

द्वितीय खण्ड– वेदान्तसार 20

तृतीय खण्ड– तर्क भाषा (प्रमाण पर्यन्त) 20

चतुर्थ खण्ड– चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शन संग्रह के आधार पर) 20

पंचम खण्ड– उपर्युक्त ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का सामान्य परिचय (प्रश्नेात्तर) 20

चतुर्थ प्रश्न– पत्र : साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र **पूर्णांक : 100**

Paper Code- MASK-104

प्रथम खण्ड– साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ एवं प्रमुख सिद्धान्तों का संक्षिप्त परिचय 20

द्वितीय खण्ड– भरत–नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय) 20

भामह काव्यालंकार (प्रथम अध्याय)

तृतीय खण्ड– दण्डी–काव्यदर्श (प्रथम अध्याय) 20

चतुर्थ खण्ड– आनन्दवर्धन–ध्वन्यलोक (प्रथम अध्याय) 20

पंचम खण्ड– काव्यप्रकाश (नवम एवं दशम उल्लास) 20

एम0ए0 उत्तरार्द्ध

एम0 ए0 उत्तरार्द्ध (संस्कृत) के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पंचम और षष्ठ प्रश्न– पत्र अनिवार्य है। सप्तम और अष्टम प्रश्न–पत्र के लिए निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग का चयन करना है। सप्तम और अष्टम प्रश्न–पत्र के लिए निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग का चयन करना है। नवम प्रश्न–पत्र मौखिकी परीक्षा पूर्णांक 100 (संस्कृत वाक् व्यवहार हेतु परमावश्यक है)

सप्तम एवं अष्टम प्रश्न–पत्र

निम्नलिखित वर्गों में से कोई एक वर्ग–

वर्ग 'क'– वैदिक वाङ्.मय
वर्ग 'ख'– काव्य
वर्ग 'ग'– काव्यशास्त्र
वर्ग 'घ'– दर्शन
वर्ग 'ड़'– व्याकरण
वर्ग 'च'– आयुर्वेद
वर्ग 'छ'– भारतीय पुराभिलेखशास्त्र तथा पुरालिपिशास्त्र
वर्ग 'ज'– ज्योतिष

पंचम प्रश्न–पत्र : काव्य — पूर्णांक : 100

Paper Code- MASK-201

प्रथम खण्ड– मेघदूतम् 20

द्वितीय खण्ड– मृच्छकटिकम् 20

तृतीय खण्ड– वेणी संहार 20

चतुर्थ खण्ड– नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) 20

पंचम खण्ड– उपर्युक्त प्राठ्य पुस्तकों पर आधारित (प्रश्नोत्तर) 20

पष्ठ प्रश्न–पत्र : संस्कृत, धर्म, दर्शन एवं कला — पूर्णांक : 100

Paper Code- MASK-202

प्रथम खण्ड– प्राचीन भारतीय संस्कृति 30

(अ) संस्कृति का अभिप्राय, भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, संस्कृतिक एवं सभ्यता में अन्तर।
(ब) वैदिक संस्कृतिक
(स) रामायण तथा महाभारत कालीन संस्कृति
(द) मौर्य कालीन संस्कृति
(य) गुप्त कालीन संस्कृति 20
(सांख्य–योग, न्याय– वैशेषिक, मीमांसा वेदान्त)

तृतीय खण्ड– कला (वस्तु, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत कला, नृत्य कला, अभिनय कला) 20

चतुर्थ खण्ड– वैदिक एवं उपनिषद् कालीन धार्मिक परम्परा 20

वर्ग 'क' वैदिक वाङ्.मय

सप्तम प्रश्न– पत्र : वैदिक साहित्य (ऋग्वेद एवं अर्थवर्ववेद) पूर्णांक : 100

प्रथम प्रश्न पत्र : ऋग्वेद सूक्त 20

अग्नि (1–19), मरूत (V–57), पर्जन्त (V–83), सरस्वती (VII–95), सरमा पणि (X–108)

द्वितीय खण्ड– अथर्ववेद सूक्त 20

ब्रह्मचरितसूक्तम् (XI-5), सूर्यासूक्तम् (XIV-1, 1-16), कृमिनाशनम् (II-32), दीर्घायु : प्राप्ति (III-1, 1), अभय–याचना (VI-50),

तृतीय खण्ड– अथर्ववेद सूक्त **20**

महद् (1-32)] परमधारा (वेतसूक्तम्) (II-1) दुःस्वप्नानशनम् (XIX-57),

चतुर्थ खण्ड– अथर्ववेद सूक्त **20**

सुर्यसूक्त (1-50), मित्रसूक्त (I-154) हिरयग्र्भ (X-121), नासदीय (X-129)

पंचम खण्ड– ऋग्वेद एवं अथर्ववेद का संक्षिप्त परिचय **20**

(वर्ण्य–विषय, रचना काल, विशेषतायें, समानता एवं विषमतायें)

वर्ग 'क' वैदिक वाड.मय

अष्टम् प्रश्न– पत्र : ब्राह्मण श्रौतसूत्र एवं गृह्यसूत्र पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– शतपथ ब्राह्मण (खण्ड V, वजपेय) 20

द्वितीय खण्ड– शतपथ ब्राह्मण (खण्ड V, राजसूय) 20

तृतीय खण्ड– आपस्तम्बर श्रौतसूत्र (1, 2, 3, प्रश्न) 20

चतुर्थ खण्ड– आश्वलायन गृह्यसूत्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) 20

पंचम खण्ड– उपर्युक्त ब्रह्मण, श्रौतसूत्र एवं ग्रह्यसूत्र का संक्षिप्त–परिचय (वर्ण्य विषय एवं विशेषताएँ)

प्रश्नोत्तर 20

वर्ग 'ख' काव्य

सप्तम प्रश्न–पत्र : संस्कृत काव्य तथा संस्कृत काव्य परम्परा **पूर्णांक : 100**

Paper Code- MASK-203

प्रथम खण्ड– मुद्राराक्षस नाटक– विशाखदत्त 20

द्वितीय खण्ड– कुमारसम्भवम् (प्रथम एवं चतुर्थ प्रकाश) 20

तृतीय खण्ड– दशरूपक (प्रथम एवं चतुर्थ प्रकाश) 20

चतुर्थ खण्ड– संस्कृत काव्य परम्परा में महाकाव्य, खण्डकाव्य गद्य एवं चम्पू विधाओं का विकास। भामह, दण्डी, विश्वनाथ के द्वारा प्रदत्त उनके लक्षण 20

पंचम खण्ड– संस्कृत नाट्य का उद्भव एवं विकास 20

वर्ग 'ख' काव्य

अष्टम प्रश्न–पत्र : पद्य, गद्य एवं चम्पू काव्य पूर्णांक : 100

Paper Code- MASK-204

प्रथम खण्ड– हर्षचरितम् 20

द्वितीय खण्ड– सौन्दर्यलहरी–शंकराचार्य लक्ष्मीधर कृत टीका 20

तृतीय खण्ड– नल चम्पू काव्य का सामान्य परिचय 20

चतुर्थ खण्ड– घटकर्पर काव्य 20

पंचम खण्ड– गद्य, पद्य एवं चम्पू काव्य का सामान्य परिचय 20

वर्ग 'ग' काव्यशास्त्र

सप्तम प्रश्न–पत्र : साहित्य सिद्धान्त पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– काव्य प्रकाश (द्वितीय, चतुर्थ एवं पंचम उल्लाश) 20

द्वितीय खण्ड– काव्यादर्श (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद) 20

तृतीय खण्ड– वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) 20

चतुर्थ खण्ड– ध्वन्यालोक (द्वितीय उद्योत) 20

पंचम खण्ड– काव्य शास्त्र : उद्गम तथा विकास प्रश्नोत्तर 20

वर्ग 'ग' काव्यषास्त्र

सप्तम प्रश्न–पत्र : रस सिद्धान्त एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– रसगंगाधर (प्रथम आनन)	20
द्वितीय खण्ड– अभिनव भारती (रस सूत्र)	20
तृतीय खण्ड– भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र (6.7 अध्याय)	20
चतुर्थ खण्ड– पाश्चात्य काव्यशास्त्री : प्लेटो तथा अरस्तु	20
पंचम खण्ड– रस सिद्धान्त एवं विविध व्याख्याकारों का संक्षिप्त परिचय	20

वर्ग 'घ' दर्शन

सप्तम प्रश्न–पत्र : भारतीय दर्शन : एक परिचय पूर्णां : 100

प्रथम खण्ड– दार्शनिक साहित्य उद्भव एवं विकास	20
द्वितीय खण्ड– दर्शन की प्रासंगिक (दार्शनिक विश्लेषण, दर्शन तथा पर्यावरण, जीवन में दर्शन की उपयोगिता)	20
तृतीय खण्ड– ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (चतुःसूत्री)	20
चतुर्थ खण्ड– सर्वदर्शन संग्रह– जैन दर्शन	20
पंचम खण्ड– सर्वदर्शनसंग्रह– बौद्ध दर्शन	20

वर्ग 'घ' दर्शन

अष्टम प्रश्न–पत्र : सांख्य एंव योग पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– सांख्यकारिका (1–20) (सांख्य तत्व कौमुदी प्रभा सहित)	20
द्वितीय खण्ड– सांख्यकारिका (21–72) (सांख्य तत्व कौमुदी प्रभा सहित)	20
तृतीय खण्ड– पतञ्जल योग दर्शन (प्रथम पाद) (ब्यास भाष्य सहित)	20

चतुर्थ खण्ड– पतञ्जल योग दर्शन (द्वितीय पाद) (ब्यास भाष्य सहित) 20

पंचम खण्ड– सांख्य एवं योग की विशेषताऐं (प्रश्नोत्तर) 20

वर्ग 'ड' व्याकरण

सप्तम प्रश्न–पत्र : पाठ्यग्रन्थ– व्याकरण पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– समास (सिद्धान्त कौमुदी) 20

द्वितीय खण्ड– तिडन्त (सिद्धान्त कौमुदी) 20

तृतीय खण्ड– सुबन्त (सिद्धान्त कौमुदी) 20

चतुर्थ खण्ड– पस्पशाहिकमात्र– प्रदीप उद्योग सहित 20

पंचम खण्ड़– वाक्यपदीय स्वोपज्ञटीका सहित (1–20) 20

वर्ग 'ड' व्याकरण

अष्टम प्रश्न–पत्र : संस्कृत व्याकरण परम्परा तथा आधुनिक भाषा विज्ञान पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– परिभाषेन्दुशेखर : शास्त्रत्व संपादक प्रकरण नागेशभट्ट 20

द्वितीय खण्ड– परिभाषेन्दुशेखर : बाधबीज प्रकरण 20

तृतीय खण्ड– न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड) 20

चतुर्थ खण्ड– पाणिनी व्याकरण परम्परा और आधुनिक भाषा विज्ञान (ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान) 20

पंचम खण्ड– पाणिनी व्याकारण परम्परा और आधुनिक भाषा विज्ञान (वाक्य संरचना तथा अर्थविज्ञान) 20

वर्ग 'च' आयुर्वेद

सप्तम प्रश्न–पत्र : आयुर्वेद का इतिहास एवं चरक संहिता पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– आयुर्वेद का इतिहास (चरक पूर्व) 20

द्वितीय खण्ड– चरक संहिता–सूत्रस्थान (अध्याय 1–4) 20

तृतीय खण्ड– चरक संहिता–सूत्रस्थान (अध्याय 5–8) 20

चतुर्थ खण्ड– चरक संहिता–शरीरस्थान (अध्याय 1) 20

पंचम खण्ड– आयुर्वेद के सम्प्रदाय (धन्वन्तरि तथा पुनर्वसु) 20

वर्ग 'च' आयुर्वेद

अष्टम प्रश्न–पत्र : सुश्रुत एवं भारतीय चिकित्सादर्शन में आयुर्वेद की उपयोगिता पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– सुश्रुत संहिता शरीर स्थान 20

द्वितीय खण्ड– सुश्रुत संहिता (अध्याय 65) 20

तृतीय खण्ड– माधवनिदान (अध्याय 1) 20

चतुर्थ खण्ड– आयुर्वेदीय मूल सिद्धान्त 20

पंचम खण्ड– आयुर्वेद में आधुनिक अध्याय एवं उपयोगिता 20

वर्ग 'छ' भारतीय पुराभिलेखशास्त्र तथा पुरालिपिषास्त्र

सप्तम प्रश्न–पत्र : पुराभिलेखशास्त्र पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– भारतीय पुराभिलेखशास्त्र के सर्वेक्षण 20

(अभिलेखों के प्रकार, लेखन सामिग्री, लेखनकला की प्राचीनता)

द्वितीय खण्ड– भारतीय पुराभिलेखशास्त्र सम्बन्धी गतिविधियों के स्थल (मध्यएशिया, कम्बोडिया, वर्मा, थाईलेन्ड, इण्डोनेशिया, श्री लंका) 20

तृतीय खण्ड– अशोक के 14 प्रमुख प्रस्तर राजादेशों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं अर्थोद्घाटन 20

चतुर्थ खण्ड– अशोक के 6 प्रमुख स्तम्भ लेखों का अध्ययन एवं स्तम्भ लेखों का अर्थोद्घाटन 20

पंचम खण्ड– शिलालेखों का इतिहासिक महत्त्व 20

वर्ग 'छ' भारतीय पुराभिलेखशास्त्र तथा पुरालिपिषास्त्र

अष्टम प्रश्न–पत्र : पुरालिपिशास्त्र पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– भारत में लिपि विज्ञान 20
(लेखन कला का इतिहास, ब्राह्मी लिपि की उतपत्ति सम्बन्धी विचार एवं विसा, खरोष्ट्री लिपि की उत्पत्ति एवं विकास) 20
द्वितीय खण्ड– गुप्तकालीप शिलालेखों का साहित्यिक, भाषा वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व 20
तृतीय खण्ड़– गुप्तकालीन शिलालेखों का इतिहास, साहित्यिक एवं सांस्कृति महत्त्व 20
चतुर्थ खण्ड़– संस्कृत काव्य तथा साहित्य के उद्भव तथा विकास के अनुरेखण में संस्कृत शिलालेखों की उपयोगिता 20
पंचम खण्ड– गुप्तकालोत्तरवर्ती शिलालेखों का अर्थोद्घाटन 20

वर्ग 'ज' ज्योतिष

सप्तम प्रश्न–पत्र : ज्योतिष पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– ज्योतिशास्त्र का उद्भवएवं विकास 20
(शंकरबालकृष्ण दीक्षित कृत हिन्दी अनुवाद)

द्वितीय खण्ड– सिद्धान्त, संहिता एवं होरा का सामान्य परिचय 20

तृतीय खण्ड– गोल, परिभाषा 20

चतुर्थ खण्ड– लघुजातकम् 20

पंचम खण्ड– ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक तथा आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, गणेश दैवज्ञ का सामान्य परिचय कृतियाँ 20

वर्ग 'ज' ज्योतिष

अष्टम प्रश्न–पत्र : जन्म पत्र गणित पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड– पचाग्ड परिचय, इष्टकाल साधन, चालन, भयातभ भोग साधन एवं ग्रह स्पष्टीकरण 20

द्वितीय खण्ड– लग्नानयन, विशोत्तरीदशा, योगिनीशा 20

तृतीय खण्ड– लघु पराशरी (सम्पूर्ण) 20
चतुर्थ खण्ड– जातकांलकार 20
पंचम खण्ड– जातकपारिजात–राजयोगाध्याय 20